RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 320
दि. 24.03.2026, मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

संसद में गरजे पीएम मोदी, होर्मुज स्ट्रेट पर दिया बड़ा बयान, भारत का बताया प्लान

(जीएनएस)।

: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को संसद के चल रहे बजट सेशन के दौरान दोपहर 2 बजे लोकसभा को संबोधित किया। उन्होंने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के खास पहलुओं और इस मुद्दे पर भारत की स्थिति के बारे में बताया।

ढट मोदी ने करीब 20 मिनट तक चले अपने भाषण में कहा 'सरकार अलर्ट, सहानुभूति रखने वाली और हर तरह की मदद करने के लिए तैयार है लेकिन होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधान स्वीकार्य नहीं है.उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से तेल और गैस की आपूर्ति में आ रही बाधा को लेकर चिंता जताई।

उन्होंने कहा-'एनर्जी देश की इकनॉमी की रीढ़ है। उन्होंने होर्मुज संकट का एक विकल्प भी सुझाया है। करीब 20 मिनट के संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा-पेट्रोल-डीजल की सप्लाई जारी रहे, इसके लिए रात-दिन काम हो रहा है। पीएम ने कहा कि ' होर्मुज से जहाजों का आना बेहद चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में इस पर 24 घंटे सुरक्षित काम कर रहे हैं।'

ढट टङ्क रस्र्ीीं ल्ँ३२ ल्ल्ल्ः क्या है भारत का बड़ा प्लान?

पीएम मोदी ने बताया कि 'बीते 10-11 साल में इथेनॉल के प्रोडॅक्शन और उसकी ब्लेंडिंग पर बहुत काम हुआ है। पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल ब्लेंडिंग हो रही है। इससे भी बचत हो रही है। आज वैकल्पिक ईंधन पर जिस कदर काम हो रहा है, उससे भारत का भविष्य और सुरक्षित होगा।'

'ग्लोबल एनर्जी जरूरतों को पूरा करने वाला वेस्ट एशिया'

'एनर्जी आज इकोनॉमी की रीढ़ है। ग्लोबल एनर्जी जरूरतों को पूरा करने वाला वेस्ट एशिया है। दुनियाभर की अर्थव्यवस्था वर्तमान संकट से प्रभावित हो रही है। सरकार इसके शॉर्ट टर्म, मिड टर्म और लॉन्ग टर्म असर के लिए भी रणनीति के साथ काम कर रही है। पीएम ने सोलर एनर्जी के इस्तेमाल पर भी जोर दिया है।'

'लॉ एंड ऑर्डर एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया'

वेस्ट एशिया के झगड़े पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "डिप्लोमेसी में भारत का रोल साफ है। शुरू से ही, हमने इस झगड़े को लेकर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है। मैंने खुद वेस्ट एशिया के सभी संबंधित नेताओं से बात की है। मैं दोहराता हूं कि बातचीत और डिप्लोमेसी ही इस समस्या का

एकमात्र हल है, यहां तक कि इस युद्ध जैसे माहौल में भी। इसलिए, सभी लॉ एंड ऑर्डर एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है, चाहे वह कोस्टल सिक्योरिटी हो, बॉर्डर सिक्योरिटी हो, या स्ट्रेटेजिक जगहें हों।"

पीएम मोदी का संबोधन 20 मिनट चला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के संबंध में भारत की स्थिति और उसकी तैयारियों पर विस्तृत जानकारी दी। बजट सत्र के दौरान दोपहर 2 बजे शुरू हुआ उनका संबोधन लगभग 20 मिनट तक चला।

सरकार सतर्क, संवेदनशील और सभी की मदद के लिए तैयार

पीएम ने सदन को आश्वस्त करते हुए कहा, 'सरकार सतर्क, संवेदनशील और सभी संभव सहायता देने के लिए उत्सुक है।" प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, कैबिनेट सचिव ने हाल ही में वैश्विक स्थिति और विभिन्न मंत्रालयों द्वारा अब तक उठाए गए व भविष्य में नियोजित उपचारात्मक उपायों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी थी। इस समीक्षा में कृषि, उर्वरक, खाद्य सुरक्षा, पेट्रोलियम, बिजली, एमएसएमई, निर्यातकों, शिपिंग, व्यापार, वित्त और आपूर्ति श्रृंखला जैसे कई क्षेत्रों पर अपेक्षित प्रभावों का जायजा लिया गया था।'

योगी सरकार ने बढ़ाई गेहूं की एमएसपी, 6500 केंद्रों पर कब से शुरू होगी खरीद?

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सोमवार को कैबिनेट बैठक हुई. इस बैठक में कुल 35 प्रस्तावों पर मुहर लगी है. लेकिन इसमें जो सबसे अहम प्रस्ताव है, वह है गेहूं की एमएसपी वृद्धि. योगी सरकार ने बैठक में 160 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं की एमएसपी बढ़ाने का फैसला किया है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार की सुबह 11 बजे लोकभवन में कैबिनेट बैठक हुई. इस बैठक में कुल 35 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई. इसमें सबसे अहम किसानों के लिए है. योगी सरकार ने गेहूं की फसल 160 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी बढ़ा दी है. गत वर्ष की तुलना में ₹160 प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है. 30 मार्च 2026 से 15 जून 2026 तक खरीद की जाएगी. राज्य के अंदर 8 क्रय एजेंसियों द्वारा खरीद की जाएगी. कुल 6500 क्रय केंद्र सभी 75 जनपदों में चलेंगे. बताया जा रहा है कि एफसीआई, यूपी मंडी परिषद, पीसीएफ, पीसीयू, यूपीएसएस, नैफेड, एनसीसीएफ के माध्यम से खरीद की जाएगी. लखनऊ में इंटरनेशनल एक्जीविशन सेंटर 1435 करोड़ रुपए का कन्वेंशन हाल बनेगा. इसमें दस हजार लोगों की क्षमता होगी.

संभल को मिला योगी सरकार का तोहफा

इसके अलावा संभल जिले में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक सेंटर स्थापित किये जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है. उत्तर प्रदेश मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क 2024 नीति के तहत ग्रेटर नोएडा में लॉजिस्टिक वेयर हाउस बनाये जाने के लिए टेंडर प्रक्रिया के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है. साथ ही कैबिनेट मीटिंग में जिला मुख्यालय के नगर पालिकाओं को स्मार्ट बनाने हेतु बजट में उल्लेखित ह्लनवयुग पालिका योजनाह्व के प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद की मंजूरी दी गई है. प्रदेश के 75 जनपदों में 17 नगर निगम हैं, उनको छोड़कर, समस्त 58 जिला मुख्यालय में यह योजना लागू होगी.

सपा पर दोनों डिप्टी सीएम का हमला

वहीं कैबिनेट बैठक में जाने से पहले डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि सपा का हाल वही है कि सौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली. जो सैफई में मॉडल को नचवाते थे वह महिला सुरक्षा की बात कर रहे हैं. इसके अलावा डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव 2047 तक सत्ता में नहीं आने वाले नहीं हैं. कोई महिला अपने सुहाग को खतरे में डाल के सपा को वोट नहीं देगी.

श्रीलंका के संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की

भारत और श्रीलंका हजारों वर्षों की सभ्यतागत, सांस्कृतिक और भाषाई विरासत साझा करते हैं: लोकसभा अध्यक्ष

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत तेजी से विकास कर रहा है: लोकसभा अध्यक्ष

भारत वसुधैव कुटुंबकम के मूल्यों में विश्वास करता है: लोकसभा अध्यक्ष

(जीएनएस)।

श्रीलंका की संसद में अवसंरचना और मामलों की संसदीय निगरानी समिति के अध्यक्ष माननीय श्री एस. एम. मारिक्कर के नेतृत्व में एक श्रीलंकाई संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने आज संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से मुलाकात की।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि श्रीलंका भारत का एक करीबी पड़ोसी

है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देश हजारों वर्षों से चली आ रही सभ्यतागत, सांस्कृतिक और भाषाई विरासत साझा करते हैं। श्री बिरला ने बीते दशक में भारत के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि निरंतर अनुसंधान एवं नवाचार ने पूरे देश में मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास को गति दी है।

भारत की

पड़ोसी पहले

नीति के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए उन्होंने अवसंरचना और संपर्क के क्षेत्र में हुई प्रगति पर प्रकाश डाला, साथ ही संसदीय कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने में नवाचार एवं प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका के बारे में भी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि भारत ने राज्यों को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों का एक व्यापक नेटवर्क विकसित किया है, साथ ही बंदरगाहों और हवाई अड्डों का भी काफी विस्तार किया है तथा ये सभी

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में इमारत गिरने की घटना में जान हानि पर शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक इमारत गिरने की दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया।

श्री मोदी ने पीड़ित परिवारों के इस कठिन घड़ी में अपनी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। उन्होंने प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुर्घटना में घायल लोगों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

350 किमी की स्पीड से दौड़ेगी ट्रेन, जमीन के नीचे तैयार हो रहा एलिवेटेड ट्रैक

(जीएनएस)।

हैदराबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर एक बड़ा तकनीकी फैसला सामने आया है। 23 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार, इस हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए पूरी तरह एलिवेटेड ट्रैक बनाया जाएगा। यह फैसला न केवल तकनीकी रूप से बेहतर माना जा रहा है, बल्कि व्यावहारिक रूप से भी बेहद उपयोगी साबित हो सकता है।

एलिवेटेड ट्रैक का सबसे बड़ा फायदा सुरक्षा और गति से जुड़ा है। जमीन से ऊपर होने के कारण ट्रैक पर किसी भी तरह की बाहरी बाधा-जैसे मवेशी, इंसान या वाहन-आने की संभावना नहीं रहती। इससे बुलेट ट्रेन को 300-350 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सुरक्षित तरीके से चलाया जा सकता है। इसके अलावा, पारंपरिक रेलवे नेटवर्क में मौजूद लेवल क्रॉसिंग (फाटक) की समस्या भी पूरी तरह खत्म हो जाती है।

एलिवेटेड ट्रैक के लिए तैयारी जारी

- इस प्रोजेक्ट का दूसरा अहम पहलू है कम भूमि अधिग्रहण। एलिवेटेड ट्रैक पिलर्स (खंभों) पर टिका होता है, जिससे जमीन के बड़े हिस्से की जरूरत नहीं पड़ती।

- जमीन सिर्फ वहीं ली जाती है जहां पिलर्स लगाए जाते हैं। इससे किसानों की जमीन पर असर कम

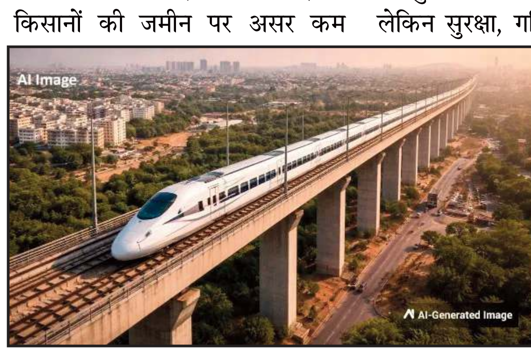

पड़ता है और वे पिलर्स के नीचे खेती जारी रख सकते हैं।

- यही कारण है कि इस मॉडल से भूमि विवाद भी कम होते हैं और प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ता है।

खास तकनीक का इस्तेमाल

तकनीकी रूप से इस कॉरिडोर में 'वायडक्ट' तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। 'फुल स्पैन लॉन्चिंग मेथर्ड' के जरिए बड़े-बड़े कंक्रीट गर्डर्स को पहले से तैयार कर क्रेन की मदद से पिलर्स पर स्थापित किया जाता है। इससे निर्माण की गति पारंपरिक तरीकों की तुलना में कई गुना बढ़ जाती है।

हालांकि, लागत के लिहाज से एलिवेटेड ट्रैक काफी महंगा होता है। यह पारंपरिक ट्रैक की तुलना में 10 से 15 गुना ज्यादा खचीर्ला हो सकता है, लेकिन सुरक्षा, गति और दीर्घकालिक फायदे को देखते हुए इसे सबसे बेहतर विकल्प माना जा रहा है। हैदराबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में एलिवेटेड ट्रैक का फैसला भविष्य की आधुनिक और सुरक्षित रेल व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शहरी कनेक्टिविटी के लिए बेहतर

शहरी कनेक्टिविटी के लिहाज से भी एलिवेटेड ट्रैक काफी अहम है। पुणे और हैदराबाद जैसे घनी आबादी वाले शहरों में जमीन पर ट्रैक बनाना बेहद मुश्किल होता है। ऐसे में एलिवेटेड ट्रैक मौजूदा सड़कों या मेट्रो लाइनों के ऊपर से गुजर सकता है, जिससे शहर के भीतर स्टेशन बनाना आसान हो जाता है। इसके अलावा, एलिवेटेड ट्रैक बारिश और बाढ़ जैसी प्राकृतिक समस्याओं से भी सुरक्षित रहता है। जमीन पर बने ट्रैक अक्सर जलभराव से प्रभावित हो सकते हैं, जबकि ऊंचाई पर बने ट्रैक पर इसका असर बेहद कम होता है।

नकली सांप, झूठे चमत्कार और दरिंदगी, नासिक में दुष्कर्म के आरोपी ढ़ोंगी ज्योतिषी अशोक खरात का खुला काला राज

महाराष्ट्र में ज्योतिषी अशोक खरात से जुड़े कथित दुष्कर्म मामले को लेकर काफी गरमाई हुई है। नासिक में बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किए गए स्वयंभू बाबा अशोक खरात उर्फ कैप्टन खरात से पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है। अंधविश्वास की आड़ में नासिक में चल रहे एक बड़े रैकेट का पदार्फाश होने के बाद अब हर दिन चौकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। ये वो ही ढ़ोंगी ज्योतिषी है जो महिलाओं को आस्था के जाल में फंसा कर उनसे दरिंदगी करता था।

सुरंग से लालबाग के पेड़ों को होगा नुकसान? सरकार ने बताया प्लान

(जीएनएस)।

बेंगलुरु के बहुचर्चित टनल प्रोजेक्ट को लेकर लालबाग बॉटनिकल गार्डन के आसपास विवाद तेज हो गया है। शहर के इस ऐतिहासिक और पर्यावरणीय रूप से महत्वपूर्ण गार्डन के नीचे से टनल निर्माण की योजना पर सरकार, विशेषज्ञों और नागरिक समूहों के बीच गहन चर्चा चल रही है।

सरकार और बी-स्माइल (इ-रटक्छए) के अनुसार, प्रस्तावित टनल लालबाग की सतह से लगभग 25 से 30 मीटर नीचे से गुजरेगी। इतनी गहराई का चयन इसीलिए किया गया है ताकि ऊपर मौजूद पेड़ों की जड़ों, जैव विविधता और ऐतिहासिक संरचनाओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

लालबाग के पेड़ों को नहीं होगा नुकसान

- लालबाग में मौजूद कई पेड़ 200 साल से भी अधिक पुराने हैं, जिन्हें शहर के 'फेफड़े' कहा जाता है। वनस्पति वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है कि टनल निर्माण के दौरान खुदाई से भूमिगत जल स्तर प्रभावित हो सकता है।

- इससे पेड़ों की सेहत पर असर पड़ सकता है। इसके जवाब में सरकार ने 'शिल्डिंग तकनीक' और जल-अभेद्य कंक्रीट के इस्तेमाल का भरोसा दिया है।

- इस जमीन के नीचे का इकोसिस्टम सुरक्षित रखा जा सके। इससे शहर के ऐतिहासिक लालबाग के पेड़ों को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा।

ग्लास हाउस भी सुरक्षित

इस प्रोजेक्ट का एक और अहम पहलू लालबाग का प्रसिद्ध ग्लास हाउस है, जो एक प्रमुख पर्यटन आकर्षण है। विशेषज्ञों की चिंता है कि टनलिंग के दौरान होने वाले कंपन से इस संरचना को नुकसान हो सकता है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि अत्याधुनिक तकनीक इस्तेमाल किया जाएगा, जो कम कंपन और शोर के साथ काम करती है, जिससे ऊपर की संरचनाओं पर असर न्यूनतम रहेगा।

कर्नाटक हाई कोर्ट में डाली गई याचिका

वहीं, 'विरासत बनाम विकास' की बहस भी इस मुद्दे को और जटिल बना रही है। सिटिजंस ऑफ बेंगलुरु जैसे नागरिक समूहों ने आशंका जताई है कि टनल के वेंटिलेशन शाफ्ट से आसपास के क्षेत्र में प्रदूषण बढ़ सकता है। इसके समाधान के लिए सरकार ने वेंटिलेशन पॉइंट्स को पार्क की मुख्य सीमा से दूर स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। कर्नाटक उच्च न्यायालय में दाखिल हलफनामे में सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि लालबाग की एक इंच जमीन का स्थायी अधिग्रहण नहीं किया जाएगा और न ही पार्क के भीतर कोई निर्माण दिखाई देगा।

कम होगा शहर का ट्रैफिक दबाव

सरकार का दावा है कि यह 'अदृश्य बुनियादी ढांचा' होगा, जो शहर के ट्रैफिक को कम करेगा, लेकिन लालबाग की हरियाली और विरासत को पूरी तरह सुरक्षित रखेगा।

एनडीए ने किया सीट शेयरिंग का ऐलान, जानें कितने सीटों पर लड़ेगी बीजेपी?

(जीएनएस)।

तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने राज्य में सीट शेयरिंग का ऐलान कर दिया है। गठबंधन के तहत भारतीय जनता पार्टी 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि पट्टाली मक्कल कच्छी को 18 सीटें और एएमएमके को 11 सीटें दी गई हैं।

तमिलनाडु विधानसभा में कुल 234 सीटें हैं, जहां सरकार बनाने के लिए 118 सीटों का बहुमत जरूरी होता है। ऐसे में ठऊ्र का यह सीट बंटवारा चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। हालांकि, राज्य की राजनीति में मुख्य मुकाबला पारंपरिक रूप से डीएमके-कांग्रेस और ठऊ्र गठबंधन के बीच माना जाता है। इस बार सुपरस्टार विजय की पार्टी टीवीके भी मैदान में है। इसलिए मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है।

पीयूष गोयल ने किया NDA की जीत का दावा

केंद्रीय मंत्री और तमिलनाडु चुनाव के प्रभारी पीयूष गोयल ने कहा, 'हम सभी एक परिवार हैं और हम चुनाव जीतने के लिए लड़ेंगे। हम 27 सीटों से पूरी तरह संतुष्ट हैं। राज्य के

लोग मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उधयनिधि स्टालिन से नाराज हैं। उन्होंने राज्य की संस्कृति को आहत किया है। ठऊ्र राज्य में सरकार बनाएगा।'

- उ्टङ के नेतृत्व वाले गठबंधन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, वाम दल और अन्य क्षेत्रीय पार्टियां शामिल हैं। पिछली बार के चुनाव में उ्टङ गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्ता हासिल की थी।

- मौजूदा समय में राज्य के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन हैं, जो उ्टङ के प्रमुख भी हैं। लोकसभा चुनाव में भी डीएमके और कांग्रेस का प्रदर्शन शानदार था।

: चुनाव में क्षेत्रीय मुद्दे हावी

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार का चुनाव काफी दिलचस्प होने वाला है। एक तरफ ठऊ्र अपने संगठन को मजबूत करने और सीटों पर बेहतर प्रदर्शन की कोशिश कर रहा है, वहीं उ्टङ गठबंधन अपने पिछले प्रदर्शन को दोहराने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा। इस चुनाव में विकास, रोजगार, क्षेत्रीय पहचान और केंद्र-राज्य संबंध जैसे मुद्दे अहम भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही, गठबंधन की रणनीति और उम्मीदवारों का चयन भी परिणाम को प्रभावित करेगा।

चुनाव प्रचार होगा तेज

NDA के सीट शेयरिंग के ऐलान के साथ ही तमिलनाडु में चुनावी मुकाबला और तेज हो गया है। आने वाले दिनों में सियासी समीकरण और भी स्पष्ट होने की संभावना है। बीजेपी और एआईएडीएमके समेत कई दलों ने धुआंधार चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। सीएम स्टालिन खुद चुनाव प्रचार की कमान संभाले हुए हैं।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी
JioTV
CHENNAL NO.
2063
Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK
देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

शहीद दिवस पर वंदे मातरम चौक घोषित करने हेतु विश्व हिन्दू महासंघ के तत्वाधान में सीएम के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ/प्रयागराज

शहीद दिवस पर प्रयाग राज में वंदे मातरम चौक घोषित करने हेतु विश्व हिन्दू महासंघ के तत्वाधान में मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। पूर्व घोषित कार्यक्रम अनुसार विश्व हिन्दू महासंघ प्रयाग राज शाखा द्वारा शहीद दिवस पर,ल्लरीेल्लॅल्ल चौराहे को वंदे मातरम चौराहा नाम घोषित करने हेतु आज महासंघ के जिला अध्यक्ष बृजेन्द्र त्रिपाठी मुन्ना भैया एवं

महामंत्री श्याम सूरत पांडे के नेतृत्व में प्रदेश, मंडल एवं जिला के पदाधिकारियों सदस्यों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर जुलूस के माध्यम से सैकड़ों की संख्या में पंहुच कर मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी महराज को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि अपर जिलाधिकारी श्री सत्यम मिश्रा जी को सौप कर तत्काल कार्यवाही करने की माँग किया आज जुलूस और ज्ञापन सौपने में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राम प्रसाद यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती नीलम गिरी मातृ शक्ति, स्वामी दयालु जी महराज धर्मा चार प्रकोष्ठ, श्री बी के पांडे जिला उपाध्यक्ष, श्री ड ढ सिंह ,श्री अरुण पांडे, श्री आकाश मौर्या जिला उपाध्यक्ष, मंजू पांडेय, पूनम दुबे, जानू चौधरी, संजय चौधरी, सुनीता उपाध्यक्ष, अरविंद तिवारी सहित सैकड़ों पदाधिकारी सदस्य गण उपस्थित रहे ,भवदीय श्याम सूरत पांडे महामंत्री विश्व हिन्दू महासंघ प्रयाग राज ।

शुआट्स की निदेशक एचआरएम एवं आर और विश्वविद्यालय की प्रथम महिला डॉ. अभिलाषा जे. लाल को 'वुमन ऑफ सब्सटेंस अवार्ड' से सम्मानित

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ/प्रयागराज

प्रयागराज में शुआट्स की निदेशक एचआरएम एवं आर और विश्वविद्यालय की प्रथम महिला डॉ. अभिलाषा जे. लाल को 'वुमन ऑफ सब्सटेंस अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें रोटरी क्लब ऑफ इलाहाबाद मिडटाउन द्वारा रविवार को टाउन हॉल, एल चिको होटल, सिविल लाइंस, प्रयागराज में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया।

डॉ. अभिलाषा को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और समुदाय, समाज तथा देश के प्रति महत्वपूर्ण योगदान के लिए चुना गया। रोटरी क्लब ने उनकी उपलब्धियों और सामाजिक प्रतिबद्धताओं के माध्यम से सकारात्मक प्रभाव डालने की सराहना की।

उन्हें प्रयागराज की 20 जानी-मानी महिलाओं के साथ यह विशेष सम्मान मिला। डॉ. अभिलाषा जे. लाल मिसेज इंडिया इंस्पिरेशनल क्वीन 2025-26 भी हैं। शुआट्स प्रबंधन ने डॉ. अभिलाषा को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

शिक्षक ने 60 साल में जुटाए 80 हजार डाक टिकट: निधन के बाद पीछे छोड़ा अनमोल संग्रह, कीमत 5 लाख से अधिक

(जीएनएस)।

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत निवासी शिक्षक रमाकांत शर्मा का बीते शुक्रवार निधन हो गया। डिजिटल युग में डाक टिकटों को भुला दिए जाने के दौर में उन्होंने अपनी 60 वर्ष की जिंदगी इन्हें सहेजने में समर्पित कर दी। उनके पीछे 80,000 दुर्लभ डाक टिकटों का विशाल संग्रह छूटा है, जिसकी बाजार मूल्य 5 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है।

बचपन के शौक से शुरू हुआ यह संग्रह आजादी पूर्व के दुर्लभ टिकटों से लेकर विश्व के विभिन्न देशों के स्टांपों तक फैला है। उनके घर की अलमारियां किसी संग्रहालय जैसी लगती थीं, जहां हर एल्बम राजनीति,

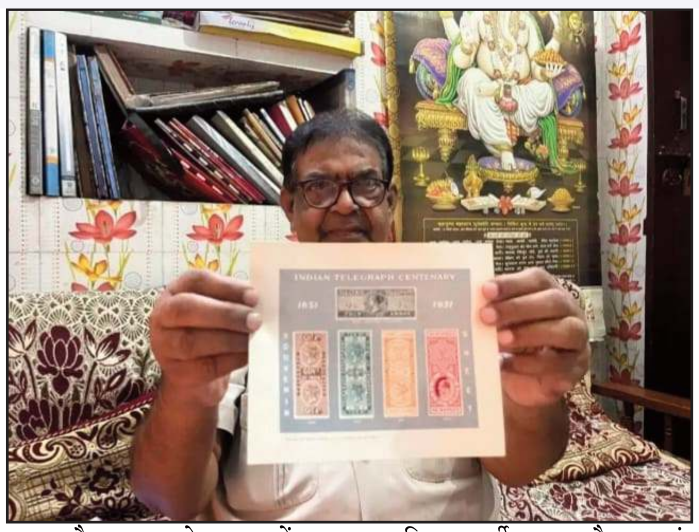

कला और समाज के बदलावों का जीवंत दर्पण बनता था। बाजार जानकारों के मुताबिक, संग्रह में व्यवस्थित वर्गीकरण और अत्यंत दुर्लभ टिकट शामिल हैं, जो छात्रों के लिए शोध का खजाना साबित हो सकते हैं। रमाकांत जी ने अपनी जमापूंजी का बड़ा हिस्सा इन्हें जुटाने में लगाया।

वे मानते थे कि एक छोटा डाक टिकट दुनिया को जोड़ने की ताकत रखता है। अक्सर कहते, 'इंटरनेट की दुनिया में खोई पीढ़ी को इनसे इतिहास सीखना चाहिए।' उनकी अंतिम इच्छा थी कि संग्रह को किसी संस्थान में रखा जाए, जहां छात्र-इतिहास प्रेमी प्रेरणा लें।

पीलीभीत का यह 'टिकट मैन' भले ही अब नहीं रहा, लेकिन उनका 'मिनी म्यूजियम' उनकी यादें हमेशा जीवंत रखेगा। परिवार और स्थानीय प्रशासन संग्रह के भविष्य पर विचार कर रहा है।

गन्ने के खेत में मासूम से दरिंदगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस नें भेजा जेल

(जीएनएस)।

दोनों आरोपियों नें लालच देकर आठ वर्षीय मासूम को बनाया था अपनी हवस का शिकार

पूरनपुर,पीलीभीत।

रुपये का लालच देकर किशोर को गन्ने के खेत में ले जाकर दो बाल अपचारियों ने उसके साथ कुकर्म की घटना को अंजाम दिया। बारदात से सहमे किशोर ने घर पहुंचकर घटना की जानकारी अपनी मां को दी। जिसके बाद किशोर की मां नें थाने पहुंचकर मामले की शिकायत पुलिस को तहरीर देकर की। पुलिस ने किशोर की मां की तहरीर पर दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। किशोर का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया। जिसके बाद पुलिस नें मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कुकर्म की घटना को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की शाम उसका नाबालिग पुत्र घर के बाहर खेल रहा था। आरोप है कि पड़ोस के ही दो किशोरों ने उसे

रुपये का लालच देकर बरगला लिया। वह उसे गन्ने के खेत में ले गए। जहां कुकर्म किया। बाल अपचारियों के चंगुल से छूटकर घर पहुंचा। किशोर सहमा हुआ था। जिसके बाद मां के पूछने पर किशोर ने घटना की जानकारी दी। किशोर की मां ने मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किशोर के साथ कुकर्म करने वाले दोनों बाल अपचारियों को दबोच लिया। किशोर का मेडिकल परीक्षण कराया गया। किशोर की मां का आरोप है कि इससे पहले भी दोनों बाल अपचारी उसके बेटे के साथ इस तरह कुकर्म कर चुके हैं। पुलिस नें किशोर के साथ कुकर्म की घटना को अंजाम देने वाले थाना क्षेत्र के गांव माती माफी निवासी पिंकू उर्फ छोटे व अतुल कुमार को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने दोनों आरोपियों को विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 अनिल कुमार सिद्धू, हेड कांस्टेबल कृष्ण कुमार तथा हेड कांस्टेबल पंकज तेवतिया शामिल रहे। इंस्पेक्टर संजय कुमार ने बताया कि मामले में किशोर के साथ कुकर्म की घटना को अंजाम देने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संपत्ति विवाद में रिश्तेदारों का मां-बेटी पर क्रूर हमला, घर में घुसकर पीटा-काटा

(जीएनएस)।

पीलीभीत,नौगवां पकड़िया गांव में संपत्ति विवाद को लेकर एक महिला और उसकी बेटी पर हमला किया गया। आरोप है कि परिवार के ही सदस्यों ने घर में घुसकर मां-बेटी के साथ मारपीट की और बेटी को दांतों से काट लिया। घटना के समय पीड़िता के पति घर पर मौजूद नहीं थे। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नौगवां पकड़िया निवासी गीता देवी (पत्नी भगवान दास)ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि यह घटना बीते दिन दोपहर करीब 4:30 बजे हुई। उस समय उनके पति किसी रिश्तेदारी में गए हुए थे। इसी दौरान उनके जेठ रामेश्वर, उनका लड़का विजय और विजय की पत्नी लक्ष्मी जबरन उनके घर में घुस आए।

गीता देवी के अनुसार, घर में घुसते ही हमलावरों ने चिल्लाना शुरू

कर दिया और मकान में हिस्सा मांगने लगे। जब गीता की बेटी कल्पना ने इसका विरोध किया, तो तीनों आरोपियों ने मिलकर उसे लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। शोर सुनकर गीता देवी अपनी बेटी को बचाने पहुंचीं, तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। आरोप है कि आरोपी विजय ने कल्पना के हाथ को दांतों से बुरी तरह काट लिया, जिससे वह घायल हो गई।

मौके पर चीख-पुकार सुनकर जब पड़ोस के लोग इकट्ठा होने लगे, तो आरोपी वहां से भाग निकले। जाते समय आरोपियों ने मां-बेटी को जान से मारने की धमकी भी दी। तहरीर में बताया गया है कि यह संपत्ति विवाद काफी पुराना है। पीड़िता गीता देवी ने जानकारी दी कि उनकी शादी को 28 वर्ष हो चुके हैं और उनके छह बच्चे हैं।उनके ससुर स्वर्गीय गंगाराम ने उनके जेठ रामेश्वर को शादी से पहले ही शारदा हॉस्पिटल के सामने गली में एक जगह दिलवा दी थी। हालांकि, अब आरोपी उनके वर्तमान निवास स्थान पर भी हिस्सा मांग रहे हैं। सुनगढ़ी थाना अध्यक्ष नरेश त्यागी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

बबूरा मोहनपुर हादसे में अमन की हालत गंभीर, श्री जितिन प्रसाद ने दिए सख्त निर्देश; किसान नेता ने हायर सेंटर की मांग की

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बरेली: बिलसंडा के ग्राम बबूरा मोहनपुर में 21 मार्च को हुए भीषण सड़क हादसे में नौ लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जबकि तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे की दुखद सूचना पर माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद पीड़ित परिजनों से मिलने उनके घर पहुंचे।परिजनों ने मंत्री जी को अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि घायलों का सही इलाज नहीं हो पा रहा। खासकर बच्चा अमन, जो कोमा में चला गया है, वह रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज बरेली में भर्ती है, लेकिन उसकी देखभाल में लापरवाही बरती जा रही है। इसे गंभीरता से लेते हुए श्री

जितिन प्रसाद ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी घायलों को समुचित इलाज उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सीएमओ पीलीभीत और सीएमओ बरेली से भी फोन पर बात कर सख्त हिदायतें दीं।इधर, बरेली के रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज में आईसीयू में भर्ती अमन की हालत को देखने पहुंचे किसान नेता देव स्वरूप पटेल से अमन के चाचा श्री जगदीश जी ने बताया कि डॉक्टर कुछ बता ही नहीं पा रहे कि अमन की तबीयत कब सुधरेगी। किसान नेता ने डॉक्टरों से बात की और अमन के स्वास्थ्य लाभ के लिए श्री जितिन प्रसाद से हायर सेंटर में इलाज कराने का अनुरोध किया। पीड़ित परिवार न्याय और बेहतर इलाज की उम्मीद में परेशान है।

हाई-टेंशन लाइन का कहर: पीलीभीत में किशोर की जान लटकी, 6 घंटे के ऑपरेशन ने बचाया

(जीएनएस)।

पीलीभीतएक निजी अस्पताल में डॉक्टरों ने 14 वर्षीय किशोर शनि को नया जीवन दिया है। बरेली जिले के नवाबगंज तहसील के भदपुरा गांव निवासी शनि, हाई-टेंशन लाइन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया था। डॉक्टरों ने एक जटिल ऑपरेशन के जरिए उसकी जान बचाई।

यह घटना 2 मार्च को हुई थी। शनि सड़क किनारे खड़ी एक कंबाइन मशीन पर चढ़ा था, तभी वह ऊपर से गुजर रही 11,000 वोल्ट की हाई-टेंशन लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से वह दूर जा गिरा, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं।

घायल शनि को उसके परिजन तुरंत पीलीभीत और बरेली के कई अस्पतालों में ले गए। हालांकि, उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे 'हायर सेंटर' रेफर कर दिया। अंततः परिजन उसे पीलीभीत के एक निजी अस्पताल में लाए।

अस्पताल के डॉक्टर चरित बोरा ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल जांच शुरू की। सीटी स्कैन में पता चला कि शनि के दिमाग में गहरी चोट थी, सिर की हड्डियां टूट गई थीं और दिमाग की नसें क्षतिग्रस्त हो चुकी थीं। डॉ. बोरा और उनकी मेडिकल टीम ने लगभग 6 घंटे तक जटिल ऑपरेशन किया। डॉक्टरों ने सिर में जमा खून के थक्के हटाए और क्षतिग्रस्त नसों की मरम्मत की। सफल इलाज के बाद शनि की हालत में तेजी से सुधार हुआ और उसे 11 मार्च को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

रविवार देर शाम शनि अपने सिर के टांके कटवाने के लिए दोबारा अस्पताल पहुंचा। उसे पूरी तरह स्वस्थ देखकर परिजनों ने डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया। डॉक्टर चरित बोरा ने बताया कि "मरीज जब हमारे पास आया था, तो बचने की उम्मीद बहुत कम थी। हमने परिजनों को सभी खतरों से अवगत करा दिया था। यह मेडिकल टीम की मेहनत और ईश्वर का आशीर्वाद है कि बच्चा आज स्वस्थ है।"

टीआराएआई ने डिजिटल संपर्क के लिए भवनों की रेटिंग विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया

(जीएनएस)।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली ने आज नई दिल्ली में "डिजिटल संपर्क के लिए भवनों का मूल्यांकन" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। यह संगोष्ठी टीआरएआई द्वारा 25.10.2024 को जारी "डिजिटल संपर्क के लिए संपत्तियों का मूल्यांकन विनियम" के संदर्भ में और हितधारकों को इस विषय तथा इसके कार्यान्वयन के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

टीआरएआई के प्रधान सलाहकार और भारतीय दूरसंचार अधिकारी श्री पुष्पेंद्र कुमार सिंह ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया और मुख्य भाषण दिया। इस कार्यक्रम में टीआरएआई, दूरसंचार विभाग (डीओटी), दिल्ली सरकार, हिमाचल प्रदेश सरकार, जम्मू-कश्मीर सरकार, एमओएचए, आरईआरए, बिल्डर्स, शिक्षाविद, दूरसंचार और इंटरनेट सेवा प्रदाता (टीएसपी/आईएसपी), उपभोक्ता संगठन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

टीआरएआई के क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली के सलाहकार श्री विवेक खरे ने स्वागत भाषण दिया। टीआरएआई के सलाहकार (क्यूओएस) श्री तेजपाल सिंह ने भवन रेटिंग रूपरेखा की व्याख्या की और प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। अन्य विशिष्ट अतिथियों ने भवनों की डिजिटल संपर्क रेटिंग की आवश्यकता और महत्व पर चर्चा की।

संगोष्ठी में विचार-विमर्श को तीन सत्रों में विभाजित किया गया था। इन सत्रों में डिजिटल संपर्क रेटिंग (डीसीआर) से संबंधित विनियमों, भवन उपनियमों में नियामक प्रावधानों को शामिल करने, प्रक्रिया, कार्यक्षेत्र और संपत्तियों की डिजिटल संपर्क रेटिंग में आने वाली चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस अवसर पर टीआरएआई, एमओएचयूए, बिल्डर्स, डिजिटल संपर्क रेटिंग एजेंसी, अवसंरचना प्रदाता, दूरसंचार उपकरण विनिमार्ता और फ्लैट मालिक संघों के वक्ताओं ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। वक्ताओं ने डिजिटल संपर्क के लिए भवनों की रेटिंग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

यह संगोष्ठी टीआरएआई की उस सक्रिय भूमिका की भावना से प्रेरित होकर आयोजित किया गया था, जिसके अंतर्गत सरकारों, उद्योग, शिक्षाविदों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम किया जाता है ताकि सभी हितधारकों द्वारा स्वैच्छिक रूप से इसे अपनाया जा सके।

बीसलपुर के दुकसी ग्राम पंचायत में लापरवाही और घोटाले की बू: स्कूल से सचिवालय तक सब बेहाल!

(जीएनएस)।

पीलीभीत/विकासखंड बीसलपुर की ग्राम पंचायत दुकसी में सरकारी सुविधाओं की दुर्दशा ने ग्रामीणों को परेशान कर दिया है। प्राइमरी स्कूल में पानी की व्यवस्था चरमरा गई है, विकलांगों के लिए शौचालय की रेलिंग टूटी पड़ी है। गांव में जगह-जगह इंडियन मार्का हैंडपंप खराब हो चुके हैं—एक नहीं, दर्जनों से अधिक। ग्राम प्रधान और सचिव की नजरअंदाजी या घोटालेबाजी की यह स्थिति उजागर हो रही है।सड़कों की हालत खस्ता है,

सचिवालय के सामने गंदगी का अंबार

लगा हुआ है। सबसे शर्मनाक बात तो यह कि ग्राम पंचायत सचिवालय पर ताला लटक रहा है। गांव वालों का कहना है कि यह कई दिनों से बंद पड़ा है, जिससे कोई सरकारी लाभ नहीं मिल पा रहा। सचिवालय के सामने का नल भी खराब पड़ा है और गांव के मंदिर पर सरकारी नल भी ठप पड़ा हुआ है। इन सबकी बदहाली घोटाले बाजी का बड़ा संकेत दे रही है। तो गांव के वागीश, यशपाल, छेदालाल नाम के व्यक्ति ने बताया कि कई महीनो से सचिवालय नहीं खुला है और कोई भी अधिकारी सचिवालय पर नहीं आता है ग्राम पंचायत में विकास के नाम पर लूट की गई है ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल जांच और सुधार की मांग की है और जब पंचायत सचिव नूरुद्दीन से बात की तो उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में इतना बजट ही नहीं है स्थानीय प्रशासन की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

ईंरान डिएगो गार्सिया पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागने में सफल

4000 किलोमीटर दूर ईंरान के हमले ने चौंका दिया ईंरान और अमेरिका-इजरायल जंग खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। अमेरिका-इजरायल की वायुसेना ने शनिवार सुबह ईंरानी न्यूक्लियर हार्ट नतांज परमाणु संवर्धन वेंद्र पर भीषण हमला किया। ईंरानी परमाणु ऊर्जा संगठन ने इसे आपराधिक हमला करार दिया। हालांकि प्लांट से किसी रेडियोधमा रिसाव की खबर नहीं है। अमेरिका-इजरायल के इस हमले का असर अब वैश्विक जंग पैलने का खतरा हो गया है। नतांज पर हमले के वुछ ही घंटों के बाद ईंरान ने जवाबी कार्रवाई (आपरेशन टू प्रामिस-4) में हिद महासागर स्थित अमेरिका ब्रिटेन के एयरबेस डिएगो गार्सिया पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दाग कर दुनिया को चौंका दिया। ईंरान ने पहली बार पूर्व घोषित 2000 किमी की रेंज की लिमिट तोड़ 4000 किमी दूर प्राहार की क्षमता दिखाई। रिपोर्ट के मुताबिक एक मिसाइल उड़ान के दौरान विफल हो गई, जबकि दूसरी को रोकने के लिए अमेरिकी युद्धपोत ने एसएम-3 इंटरसेप्टर का इस्तेमाल किया, हालांकि इसकी सफलता की पुष्टि नहीं हुई है। यह हमला इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि डिएगो गार्सिया ईंरान से करीब 4000 किलोमीटर दूर है, जो ईंरान की घोषित 2000 किलोमीटर की रेंज से दोगुना है। यदि यह रिपोर्ट सही है तो ईंरान की मिसाइल क्षमता को लेकर बनी पुरानी धारणाएं टूट चुकी हैं। ईंरान को लेकर धारणा थी कि उसके पास 2000 किलोमीटर तक की रेंज की क्षमता है। लेकिन इस हमले से दुनिया सन्न रह गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक 4000 किलोमीटर की रेंज ईंरान को इंटरमीडिएट रेंज मिसाइल क्षमता के करीब ले जाती है। इसका मतलब है कि अब यूरोप के कई बड़े शहर जैसे पेरिस, बर्लिन और रोम भी संभावित दायरे में आ सकते हैं।

जबकि लंदन भी खतरे से बाहर नहीं है। यह बदलाव बताता है कि खतरा अब सिर्प खाड़ी देशों या इजरायल तक सीमित नहीं रहा। यदि इसकी पुष्टि होती है तो यह हमला केवल सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि एक बड़ा रणनीतिक संदेश भी माना जाएगा। सेंटर फॉर स्ट्रेटिजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के अनुसार ईंरान के पास पामि एशिया में सबसे बड़े और सबसे विविध मिसाइल का जखीरा है। इस जखीरे में कई लंबी दूरी की मिसाइलें शामिल हैं, जो इजरायल तक पहुंचने में सक्षम है। इनमें सेजिल, खुर्रमशहर और गद्र शामिल है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ईंरानी मिसाइलें इजरायल तक तो तबाही मचा ही रही हैं पर अब यह दायरा बढ़ भी सकता है। ईंरान के पास अलग-अलग प्रांतों में कम से कम 5 भूमिगत मिसाइल शहर भी हैं। ईंरान के मिसाइल जखीरे में मोर्टार, रॉकेट, ड्रोन बैलिस्टिक और व्रूज मिसाइलें शामिल हैं। बता दें कि डिएगो गार्सिया ईंरान से लगभग 4000 किलोमीटर दूर मध्य हिद महासागर में भारत के दक्षिण और श्रीलंका के दक्षिण- पश्चिम में स्थित है। यह चोगास द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप हिद-प्राशांत क्षेत्र में स्थित दो महत्वपूर्ण अमेरिकी बमवर्षक लड़ावू विमानों के बेस में से एक है। दूसरा अड्डा, गुआम में स्थित एंडरसैन वायुसेना अड्डा है। अमेरिका-ब्रिटेन संचालित किए जाने वाला सबसे ज्यादा रणनीतिक महत्व वाले बेहद गोपनीय मिलिट्री ठिकानों में से एक है। ईंरान अगर यहां तक पहुंचा है तो यह एक बहुत महत्वपूर्ण घटनाव्रम है।

आईआईसीए ने डीजी पुनर्वास (डीजीआर), रक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर, रक्षा अधिकारियों के लिए 'कॉर्पोरेट गवर्नेंस में निदेशकों के प्रमाणन' के अपने चौथे बैच को सफलतापूर्वक पूरा किया

(जीएनएस)।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) ने रक्षा मंत्रालय के पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) के साथ मिलकर, 20 मार्च 2026 को गुरुग्राम के मानेसर स्थित आईआईसीए कैंपस में रक्षा अधिकारियों के लिए 'कॉर्पोरेट गवर्नेंस में निदेशकों के प्रमाणन' के चौथे बैच का सफलतापूर्वक समापन किया।

इस दो-सप्ताह के प्रमाणन कार्यक्रम में भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं के 30 वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अगस्त 2024 में अपनी शुरूआत के बाद से, इस कार्यक्रम के तहत अब तक चार बैचों में कुल 120 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को वे जरूरी साधन उपलब्ध कराना था, जिनकी मदद से वे अपने नेतृत्व के अनुभव को कॉर्पोरेट जगत में इस्तेमाल कर सकें - इसके तहत प्रतिभागियों को कंपनियों को नियंत्रित करने वाले कानूनी और नियामक ढांचों, स्वतंत्र निदेशकों की जिम्मेदारियों, वित्तीय निगरानी, जोखिम प्रबंधन, ईएसजी सिद्धांतों और न्यासी कर्तव्यों से परिचित कराया गया।

विशेषज्ञों और मौजूदा स्वतंत्र निदेशकों के साथ बातचीत से प्रतिभागियों को कॉर्पोरेट नेतृत्व की वास्तविकताओं के बारे में व्यावहारिक जानकारी मिली।

19 मार्च 2026 को आयोजित प्रमाणपत्र वितरण समारोह में, आईआईसीए के महानिदेशक और सीईओ श्री ज्ञानेश्वर कुमार सिंह की अध्यक्षता में, रक्षा मंत्रालय के भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग (डीईएसडब्ल्यू) की सचिव श्रीमती सुकृति लिखी ने मुख्य अतिथि के रूप में शोभा बढ़ाई।

आईआईसीए के महानिदेशक और सीईओ ने इस बात पर जोर दिया कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को न केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि अनुभवी कॉर्पोरेट लीडर्स, प्रैक्टिशनर्स और साथियों का एक पेशेवर नेटवर्क बनाने का अवसर भी देता है; यह नेटवर्क उनके कॉर्पोरेट भूमिकाओं में जाने के दौरान उनके लिए बहुमूल्य साबित होगा। उन्होंने अधिकारी प्रतिभागियों को आईआईसीए और आपस में जुड़े रहने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि वे पूरे भारत में कॉर्पोरेट गवर्नेंस में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने वाले रक्षा अधिकारियों के बढ़ते समुदाय में अपना योगदान दे सकें।

डीईएसडब्ल्यू सचिव ने रक्षा अधिकारियों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद के सार्थक अवसर तैयार करने में आईआईसीए और डीजीआर के बीच सहयोग की सराहना की और आईआईसीए के अकादमिक नेतृत्व की भी तारीफ की, जिसने यह सुनिश्चित किया कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को कॉर्पोरेट गवर्नेंस से जुड़ी जिम्मेदारियों के बारे में ज्ञान और गहरी समझ, दोनों के साथ तैयार करे।

सचिव ने इस कार्यक्रम को 'विकसित भारत 2047' के व्यापक राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अंतर्गत रखा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अनुभवी सैन्य लीडर्स का कॉर्पोरेट प्रशासन की भूमिकाओं में आना, केवल करियर में बदलाव नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सेवा की ही एक निरंतरता है। उन्होंने कहा कि अपने अनुशासन, रणनीतिक सोच और ईमानदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कॉर्पोरेट क्षेत्र में लाकर, ये अधिकारी अधिक मजबूत संगठनों और अधिक जिम्मेदार संस्थाओं के निर्माण में योगदान देंगे - जो कि एक विकसित और सुदृढ़ भारत के दो अनिवार्य स्तंभ हैं।

आईआईसीए में स्कूल ऑफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस एंड पब्लिक पॉलिसी के प्रमुख और कार्यक्रम निदेशक डॉ. नीरज गुप्ता ने कार्यक्रम की शुरूआत में इसका विषयगत संदर्भ प्रस्तुत किया। आईआईसीए की प्रधान अनुसंधान सहयोगी डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती ने कार्यक्रम की कार्यवाही का संचालन किया।

सैमसंग इनोवेशन कैंपसः तकनीक से लैस 400 युवाओं को मिले सर्टिफिकेट, उच्च शिक्षा मंत्री ने थपथपाई पीठ

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में सोमवार को 'सैमसंग इनोवेशन कैंपस' (रकुउ-2026) के तहत प्रशिक्षण पूरा करने वाले 400 से अधिक विद्यार्थियों के लिए प्रमाणपत्र वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। अटल सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने शिरकत की। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान युग तकनीक का है और उत्तर प्रदेश के युवा अब न केवल डिग्री हासिल कर रहे हैं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और कोडिंग जैसे वैश्विक कौशलों से भी लैस हो रहे हैं। उन्होंने राष्ट्र विरोधी ताकतों को शिक्षा संस्कार वाली होनी चाहिए। वो कौन सी शिक्षा है जो बच्चों को कलम देने बजाए बंदे भारत पर पत्थर फिंकवा ये, पढ़े लिखे डॉक्टरों को हत्यारा बनाये। शिक्षा संस्कार वाली होनी चाहिए। हमें देश हित राष्ट्र भावना वाली शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। शिक्षा राष्ट्र विरोधी हरकत करना नहीं सिखाती है वह हमें तकनीक के साथ चलना सिखाती है।

तकनीकी कौशल से बढ़ेगा रोजगार

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि

विश्वविद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री की वास्तविक जरूरतों के लिए तैयार करना है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एररउक) के सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम के जरिए छात्रों को बिग डेटा और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (कङ्ख्ळ) जैसे उन्नत क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया है। इससे न केवल उनकी कार्यक्षमता बढ़ेगी बल्कि डिजिटल इकोनॉमी में उनके लिए रोजगार के नए द्वार भी खुलेंगे।

इंडस्ट्री और एकेडमी के बीच की दूरी कम होगी।

सैमसंग इंडिया के सीएसआर हेड शुभम मुखर्जी और एररउक के वाइस प्रेसिडेंट सरोज आपाटो ने बच्चों एआई के दौर में सैमसंग इनोवेशन कैम्पस के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया युवाओं के सहयोग से भारत आत्मनिर्भर राष्ट्र के लक्ष्य को हासिल करेगा। समारोह में कार्यक्रम की संयोजक डॉ. शान-ए-फातिमा ने बताया कि यह प्रशिक्षण छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। विशेषज्ञों ने जोर दिया कि शिक्षा और उद्योग के बीच का यह तालमेल नई शिक्षा नीति (ठएढ) के उद्देश्यों को पूरा करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। समारोह के अंत में उच्च शिक्षा मंत्री ने मेधावी छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए, जिनके चेहरे पर अपनी मेहनत का फल पाकर एक अलग ही चमक थी। कार्यक्रम में सर्टिफिकेट पाने वाले छात्रों में चुनिंदा छात्रों शिक्षा मंत्री से अपने प्रशिक्षण का अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ रुचिता सुजॉय ने किया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. सुमन मिश्रा, डॉ. राजकुमार सिंह, कुलसचिव महेश कुमार, परीक्षा नियंत्रक विकास के साथ ही विश्वविद्यालय के शिक्षक व बड़ी संख्या में छात्र और शिक्षाविद मौजूद रहे।

यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने ए.आर. रहमान को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा किया

लखनऊ, 23 मार्च 2026: ऑस्कर विजेता संगीतकार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित संगीत आइकन ए.आर. रहमान

ने भारतीय संगीत को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी यह प्रेरक यात्रा भारतीय प्रतिभा की वैश्विक क्षमता को दशार्ती है, जो यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की भारत में संगीत संस्कृति को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता से मेल खाती है।

यह साझेदारी भारत के संगीत इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का एक अहम मील का पत्थर साबित होगा ।

यामामोटो ताकेतोशी , मैनेजिंग डायरेक्टर, ने कहा,

संगीत यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सोच के केंद्र में है। भारत की समृद्ध संगीत विरासत को वैश्विक पहचान मिलनी चाहिए। हमारी

मेड इन इंडिया

पहल और ए.आर. रहमान के साथ सहयोग के माध्यम से हम नई पीढ़ी के संगीतकारों को प्रेरित करना और देशभर में संरचित संगीत शिक्षा का विस्तार करना चाहते हैं।

रयोजी मारुयामा,सेल्स यूनिट हेड, ने कहा,

हमारा उद्देश्य केवल वाद्ययंत्र उपलब्ध कराना नहीं है। हम कार्यशालाओं, स्कूलों के साथ सहयोग और ग्रामीण पहुंच कार्यक्रमों के माध्यम से संगीत समुदायों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह साझेदारी हर उभरते कलाकार तक संगीत पहुंचाने की हमारी सोच को और मजबूत करती है।

ए.आर. रहमान ने कहा

यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हमेशा से गुणवत्ता, सटीकता और विश्वसनीयता का प्रतीक रहा है। मुझे ऐसे ब्रांड के साथ जुड़कर गर्व है जिसकी विरासत संगीत उत्कृष्टता पर आधारित है और जिसका

मेड इन इंडिया

दृष्टिकोण गुणवत्तापूर्ण वाद्ययंत्रों को अधिक सुलभ बना रहा है। यह पहल मेरे के. एम. म्यूज़िक कंजर्वेटरी और द सनशाइन ऑर्केस्ट्रा में प्रशिक्षित हो रहे युवा प्रतिभाओं को भी लाभ पहुंचा रही है। यदि हम युवा कलाकारों का मार्गदर्शन जारी रखें और संगीत शिक्षा को मजबूत बनाएं, तो भारतीय संगीतकार वैश्विक मंच पर नेतृत्व कर सकते हैं।"

भारत में दीर्घकालिक विकास योजना के अंतर्गत यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड अपने

मेड इन इंडिया

पोर्टफोलियो को लगातार मजबूत कर रही है, जिसमें विशेष रूप से ऑडियो और संगीत वाद्ययंत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, ताकि ग्राहकों की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सके।

होंडा ने भारत में दोपहिया वाहन उत्पादन क्षमता बढ़ाई, टपूकड़ा प्लांट में नई लाइन शुरू

23 मार्च 2026: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्रा. लि. (ल्टरक), जो भारत में होंडा की मोटरसाइकिल उत्पादन और बिक्री सहायक कंपनी है, देश में दोपहिया वाहनों की बढ़ती और विविध होती मांग को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता के विस्तार को आगे बढ़ा रही है। एचएमएसआई अपने राजस्थान के अलवर ज़िले स्थित टपूकड़ा प्लांट में तीसरी नई प्रोडक्शन लाइन स्थापित कर अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ा रही है। यह उपलब्धि

द पावर ऑफ ड्रीम्स

के प्रति एचएमएसआई की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जिसका उद्देश्य लाखों भारतीयों को अपने सपनों और लक्ष्यों को आत्मविश्वास के साथ पूरा करने के लिए सशक्त बनाना है।

टपूकड़ा में नई प्रोडक्शन लाइन को 2028 में शुरू करने की योजना है, जिसकी वार्षिक क्षमता 6,70,000 यूनिट होगी। इस विस्तार के साथ, दूसरे प्लांट की कुल क्षमता बढ़कर 20.1 लाख यूनिट प्रति वर्ष हो जाएगी। यह पहल 2,000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी, जिससे क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी।

क्षमता विस्तार पर टिप्पणी करते

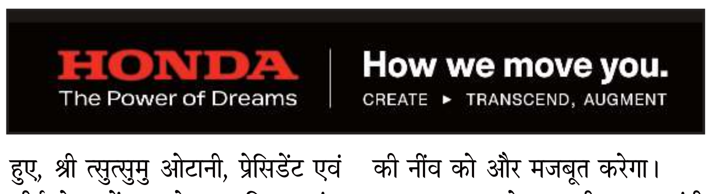

हुए, श्री त्सुत्सुमु ओटानी, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने कहा,

भारत मोबिलिटी परिवर्तन के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, और एचएमएसआई जिम्मेदारी और उद्देश्य के साथ इस यात्रा का नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध है। टपूकड़ा में हमारे प्रोडक्शन इकोसिस्टम को मजबूत करना हमारी सप्लाई चेन में अधिक मजबूती, लचीलापन और भविष्य की तैयारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विस्तार हमें बाजार की मांग के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाएगा और लाखों ग्राहकों की आकांक्षाओं को समर्थन देने वाला मूल्य प्रदान करना जारी रखने में मदद करेगा। सुरक्षित, स्वच्छ और अधिक सुलभ मोबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, हम दीर्घकालिक टिकाऊ विकास पर केंद्रित हैं, जो मोबिलिटी को आगे बढ़ाने के साथ-साथ कंपनी की भविष्य की नींव को और मजबूत करेगा।

राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने कहा,

राजस्थान विश्वस्तरीय मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहा है। टपूकड़ा स्थित अपने प्लांट में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया द्वारा किया जा रहा क्षमता विस्तार इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। क्षेत्र में एचएमएसआई का निरंतर निवेश न केवल मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ाएगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा और क्षेत्र के ऑटोमोटिव इकोसिस्टम के विकास में योगदान देगा। हम इस पहल का स्वागत करते हैं और मोबिलिटी, नवाचार तथा आर्थिक विकास में उद्योग के निरंतर योगदान की अपेक्षा करते हैं।

एचएमएसआई भारत में चार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट संचालित करता है, जिनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 62.5 लाख यूनिट है। वर्ष 2001 में संचालन शुरू करने के बाद से कंपनी 7 करोड़ से अधिक यूनिट का उत्पादन कर चुकी है, जो भारत के मोबिलिटी सेक्टर के प्रति उसके पैमाने और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। मई 2025 में की गई घोषणा के अनुसार, एचएमएसआई गुजरात के अहमदाबाद ज़िले के विठलापुर प्लांट में चौथी प्रोडक्शन लाइन जोड़ रहा है। यह नई लाइन 2027 में शुरू होने वाली है, जिसका काम योजना के अनुसार प्रगति पर है और यह एचएमएसआई के प्रोडक्शन नेटवर्क को और मजबूत करेगी।

दूसरे प्लांट ने जुलाई 2011 में 6 लाख यूनिट वार्षिक क्षमता के साथ संचालन शुरू किया था, जिसे मार्च 2012 में बढ़ाकर 12 लाख यूनिट कर दिया गया। 2023 से एचएमएसआई मशीनिंग में ऑटोमेशन और प्रोडक्शन एफिशिएंसी टेक्नोलॉजीज लागू कर रहा है, जिसके चलते वर्तमान वार्षिक क्षमता 13 लाख यूनिट हो गई है।

ट्रूसोल ने तुलसी हनी के साथ अपना हनी पोर्टफोलियो मजबूत किया; डेली वेलनेस और परंपरा का हुआ संगम

23 मार्च 2026: बैद्यनाथ आयुर्वेद समूह के आधुनिक वेलनेस एवं पर्सनल केयर ब्रांड, ट्रूसोल ने आज 'ट्रूसोल तुलसी हनी' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह प्रीमियम डेली वेलनेस उत्पाद दो प्राकृतिक सामग्रियों - तुलसी और शुद्ध शहद - के अनूठे मिश्रण से तैयार किया गया है।

अपनी आयुर्वेदिक विरासत से जुड़ी तुलसी पारंपरिक रूप से सांस लेने में आराम देने, तनाव प्रबंधन में मदद करने और संपूर्ण स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती है, जबकि शहद अपने सुखदायक गुणों और पोषण के लिए मशहूर है। इन दोनों को मिलाकर बनाया गया ट्रूसोल तुलसी हनी सांस लेने में आसानी, शरीर को आराम देने और रोजाना का पोषण प्रदान करने में मदद करता है।

इस फॉर्मूलेशन में उच्च गुणवत्ता वाले शहद का इस्तेमाल किया गया है, जिसे सावधानी से छाना जाता है और कम से कम प्रोसेस किया जाता है ताकि इसके प्राकृतिक एंजाइम, स्वाद और बनावट बरकरार रहें। इसमें राम और कृष्ण जैसी तुलसी की

चुनिंदा किस्मों को मिलाया गया है, जो अपनी विशिष्ट सुगंध और वेलनेस गुणों के लिए जानी जाती हैं। जहाँ राम तुलसी हल्की और ताजगी भरी महक देती है, वहीं कृष्ण तुलसी श्वसन स्वास्थ्य और मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए जानी जाती है। साथ मिलकर, वे एक संतुलित स्वाद बनाते हैं जो जड़ी-बूटी के प्राकृतिक सार को शहद की हल्की मिठास के साथ पेश करता है।

इस उत्पाद में कोई अतिरिक्त चीनी, कृत्रिम संरक्षक (प्रिजर्वेटिव) या सिंथेटिक फ्लेवरिंग नहीं है, जो ट्रूसोल की 'क्लीन-लेबल' फिलॉसफी और पारदर्शिता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

अपने 'रॉ ऑर्गेनिक हनी' को उपभोक्ताओं से मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद, यह नया उत्पाद शहद की कैटेगरी में ट्रूसोल की मौजूदगी को और मजबूत करता है। यह ब्रांड के उस दृष्टिकोण को भी आगे बढ़ाता है जिसमें शुद्ध, प्लांट-बेस्ड वेलनेस सॉल्यूशंस शामिल हैं, जो आयुर्वेदिक परंपरा पर आधारित हैं और आधुनिक जीवनशैली के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

लॉन्च के दौरान, ट्रूसोल के सह-संस्थापक अधिराज शर्मा ने कहा,

भारत में बड़े होते हुए हमने देखा है कि हर घर में तुलसी और शहद रोजाना की सेहत के लिए बहुत भरोसेमंद चीजें थीं। लेकिन जैसे-जैसे जीवनशैली बदली, ये पुरानी आदतें धीरे-धीरे दिनचर्या से कम हो गईं। ट्रूसोल तुलसी हनी के साथ हम इस जाने-पहचाने मिश्रण को फिर से लोगों की रोजमर्रा की ज़िंदगी में वापस लाना चाहते हैं - लेकिन एक पारंपरिक दवा की तरह नहीं, बल्कि एक आसान और सुलभ आदत की तरह, जो आज की आधुनिक जीवनशैली में आराम से फिट हो जाए। साथ ही, यह नया उत्पाद हमारे 'रॉ ऑर्गेनिक हनी' की मजबूत नींव पर ही आगे बढ़ता है, क्योंकि हम अपने हनी पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहे हैं और उपभोक्ताओं की बदलती सेहत संबंधी जरूरतों के लिए खास प्रोडक्ट्स ला रहे हैं।

इसी दृष्टिकोण को दोहराते हुए, ट्रूसोल के सह-संस्थापक ऋषि राज शर्मा ने कहा,

हमारा मुख्य फोकस तुलसी और शहद दोनों की प्रामाणिकता और गुणों को बनाए रखना था, साथ ही इसे दैनिक जीवन में शामिल करना आसान बनाना था। सावधानी से चुनी गई तुलसी की किस्मों और कम प्रोसेस्ड शहद के साथ, हमने एक ऐसा उत्पाद बनाया है जो पौष्टिक व प्राकृतिक है और सुबह की एक सरल वेलनेस रस्म के लिए आदर्श है।

ट्रूसोल तुलसी हनी का आनंद सीधे, गुनगुने पानी के साथ, या चाय, स्मूदी और नाश्ते में मिलाकर लिया जा सकता है। यह कामकाजी पेशेवरों, परिवारों और फिटनेस प्रेमियों के लिए आदर्श है जो समग्र पोषण की तलाश में हैं।

यह उत्पाद प्रमुख ऑनलाइन मार्केटप्लेस और चुनिंदा ऑफलाइन रिटेल आउटलेट्स (जिनमें वेलनेस और फामेर्सी स्टोर शामिल हैं) पर विभिन्न पैक साइज में उपलब्ध है।

संसदीय प्रश्नः जम्मू-कश्मीर में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल

(जीएनएस)।

जम्मू-कश्मीर में बाढ़, भूस्खलन और जंगल की आग जैसी प्रमुख प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी और क्षति के आकलन के लिए अंतरिक्ष से जुड़ी जानकारी का इस्तेमाल किया जा रहा है। बाढ़ के जलमग्न वाले हिस्सों के मानचित्र, भूस्खलन की सूची, जंगल की आग का पता लगाने आदि जैसे भू-स्थानिक उत्पाद इसरो के भू-पोर्टल जैसे भुवन और राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन डेटाबेस (एनडीईएम) के माध्यम से प्रसारित किए जाते हैं। इसरो ने जम्मू-कश्मीर वन विभाग के लिए भू-स्थानिक तकनीक का इस्तेमाल कर जंगल की आग की रिपोर्टिंग के लिए एक अनुकूलित मोबाइल एप्लिकेशन और विजुअलाइजेशन डैशबोर्ड भी तैयार किया है।

इसरो/ डीओएस ने जम्मू-कश्मीर रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (जेकेआरएसएसी) के साथ मिलकर केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर प्राकृतिक संसाधन जनगणना, राष्ट्रीय आर्द्रभूमि सूची, जैव विविधता लक्षण वर्णन, मरुस्थलीकरण और भूमि क्षरण मानचित्रण तथा आपदा प्रबंधन सहायता जैसे अंतरिक्ष अनुप्रयोग कार्यक्रमों का कार्यान्वयन किया है। कृषि, वानिकी, ग्रामीण विकास और जलसंभर प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में साक्ष्य-आधारित योजना निर्माण में सहायता के लिए अंतरिक्ष-आधारित सूचना सहायता - अद्यतन (एसआईएस-डीपी अपडेट) को भी संयुक्त रूप से कार्यान्वित किया गया।

इसरो ने जम्मू के केंद्रीय विश्वविद्यालय में सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र (एसडीसीएसएस) की स्थापना की है, जहां संकाय/ शोधार्थी छात्रों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पर सीखने और समझ को बढ़ाने के लिए इसरो की सुविधाओं तक पहुंच प्रदान की जाती है। इसरो ने जम्मू-कश्मीर सहित देश के उत्तरी क्षेत्र के लिए एनआईटी जालंधर में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी इनक्यूबेशन सेंटर (एसटीआईसी) और एनआईटी कुरुक्षेत्र में क्षेत्रीय अंतरिक्ष शैक्षणिक केंद्र (आरएसीएस) की स्थापना की है। एसटीआईसी और आरएसीएस कार्यक्रम छात्रों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से संबंधित परियोजनाओं पर काम करने के मौके दिए करते हैं। उत्तरी क्षेत्र के क्षेत्रीय संस्थान और अन्य संस्थान इन कार्यक्रमों के माध्यम से परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं। यह व्यवस्था मेजबान संस्थानों और क्षेत्र के अन्य कॉलेजों के छात्रों को इसरो की परियोजनाओं में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने और सीधे उन पर काम करने में सक्षम बनाती है।

इसके साथ ही, देश भर के संस्थानों के बीच अंतरिक्ष अनुसंधान के अवसरों को बढ़ाने के लिए, इसरो रिस्पॉन्ड (प्रायोजित अनुसंधान) कार्यक्रम का कार्यान्वयन करता है, जो भारत में किसी भी शैक्षणिक संस्थान को, फिर वह कहीं भी स्थित हो, परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से संबंधित परियोजनाओं में भाग लेने की मंजूरी देता है।

बदायूं खनन विभाग अधिकारी ने मारा दो थाना क्षेत्रों में छापा,जिले भर के खनन माफिया में मचा हड़कंप

इस बड़ी कार्रवाई से 6 वाहन सीज हुए , इस बड़ी कार्रवाई को लेकर जिला बदायूं के थाना कदारचौक और बिनावर क्षेत्र में मारा छापा

बदायूं: जिले में अवैध खनन के खिलाफ बदायूं खनन विभाग अधिकारी ने बड़ी कार्रवाई की है।रविवार देर रात्रि थाना कादर चौक में एक ट्रैक्टर रैपर मशीन व दो ट्रैक्टर ट्रालियां अवैध मिट्टी खनन करते पकड़े गए है। इसी क्रम में थाना बिनावर क्षेत्र में एक जेसीबी और दो ट्रैक्टर ट्रालियों द्वारा अवैध मिट्टी खनन किया जा रहा था। बदायूं जिले के तेज तर्रार खनन विभाग अधिकारी गुलशन कुमार ने ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचकर सभी वाहनों को पकड़कर सीज कर दिया है। गुलशन कुमार की इस बड़ी कार्रवाई को लेकर बदायूं जिले भर में अवैध मिट्टी खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है। इस कार्रवाई से यह प्रतीत होता है कि जिले भर में खनन विभाग अधिकारी द्वारा बिना परमिशन के कोई भी अवैध खनन

माफिया अवैध खनन करने की जरूरत नहीं करेगा।

आपको बताते चलें थाना बिनावर क्षेत्र व थाना कादर चौक क्षेत्र में आए दिन अवैध खनन हो रहा है जिससे दोनों थाना क्षेत्र अवैध खनन के मामले में अधिक चर्चित होते जा रहे है। रविवार की देर रात्रि को ग्रामीणों द्वारा बदायूं खनन विभाग अधिकारी गुलशन कुमार को सूचना दी गई की थी की थाना बिनावर क्षेत्र के उसैता गांव में मिट्टी का अवैध खनन आए दिन जोरों पर चल रहा है। ग्रामीणों की सूचना मिलने पर खनन विभाग अधिकारी गुलशन कुमार ने मय टीम के मौके पर पहुंचकर एक जेसीबी व दो ट्रैक्टरो को अवैध मिट्टी खनन करते पकड़ा गया है। इस दौरान 6 वाहनों को थाना बिनावर पुलिस और थाना कादर चौक पुलिस को सुपुर्द कर उचित कार्रवाई की गई है।

इस संबंध में बदायूं जिले के तेज तर्रार खनन विभाग अधिकारी गुलशन कुमार का कहना है कि उन्होंने ग्रामीणों की सूचना पर दो थाना क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानो पर छापा मारा गया। जिसमें सबसे पहले छापा थाना कादर चौक क्षेत्र के गांव सकरी के जंगल में अवैध खनन होते पाया गया। जहां एक ट्रैक्टर रैपर मशीन व दो ट्रैक्टर ट्रालियां को पकड़ा गया है।

इसी क्रम में दूसरे थाना क्षेत्र में ग्रामीणों द्वारा शिकायत मिलने पर तेज तर्रार खनन विभाग अधिकारी बदायूं गुलशन कुमार ने दूसरा छापा थाना बिनावर क्षेत्र के गांव उसैता में मारा जहां से अवैध मिट्टी खनन का कारोबार करते हुए एक जेसीबी व दो ट्रैक्टर ट्रालियां को पकड़ा गया है। इस दौरान गुलशन कुमार द्वारा चार ट्रैक्टरों पर व एक जेसीबी मशीन व एक ट्रैक्टर रैपर मशीन पर उचित कार्रवाई की गई है।

जिला जज अनिल कुमार वर्मा ने सोमवार शाम लगभग 5 बजे ग्राम न्यायालय का औचक निरीक्षण

(जीएनएस)।

बांगरमऊ में जिला जज अनिल कुमार वर्मा ने सोमवार शाम लगभग 5 बजे ग्राम न्यायालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न्यायालय की व्यवस्थाओं, अभिलेखों और सुनवाई प्रक्रिया का गहनता से अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान, जिला जज ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने न्यायिक कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने और वादकारियों को त्वरित न्याय उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

इस मौके पर ग्राम मजिस्ट्रेट आकांक्षा अवस्थी, कोतवाली प्रभारी अखिलेश चंद्र पांडे और अधिवक्ता संजीव त्रिवेदी मौजूद रहे। न्यायालय परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की गई।

जिला जज ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि न्यायालय आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं

सुचारु रूप से संचालित होती रहें।

बीसलपुर में गौ काशी का सनसनीखेज मामला: योगी युवा वाहिनी व गौरक्षकों ने किया खुलासा पुलिस ने कब्जे में लिए अवशेष

पीलीभीत। जनपद के विकासखंड बीसलपुर के अंतर्गत ग्राम सादिया लाडपुर के गन्ने के खेत में देर रात गौकशी की घटना सामने आई है। योगी युवा वाहिनी और गौरक्षक कार्यकताओं को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त स्थान पर अवैध रूप से गौवध किया जा रहा है। मौके पर पहुंचे कार्यकताओं ने गौवध होने की आशंका हुई तत्काल बीसलपुर थाने को सूचना दे दी।थाने से पहुंची पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और गौकशी के अवशेषों को कब्जे में ले लिया। कार्यकताओं ने बताया कि खेत में गाय का मांस काटा गया था, जिसकी पुष्टि पुलिस ने भी कर ली। फिलहाल आरोपी फरार हैं, लेकिन पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। इस घटना से इलाके में आक्रोश फैल गया है और गौरक्षकों ने सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पीलीभीत के मचवाखेड़ा में 'चमत्कारी दरबार': आस्था या अंधविश्वास का खेल?

पीलीभीत। जनपद पीलीभीत के विकासखंड बरखेड़ा, थाना बरखेड़ा अंतर्गत ग्राम मचवाखेड़ा इन दिनों एक रहस्यमयी 'दरबार' के कारण चर्चा का केंद्र बना हुआ है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यहां लग रहे इस दरबार में लोग अपनी परेशानियां लेकर पहुंच रहे हैं और दावा किया जा रहा है कि ये परेशानियां चमत्कारिक ढंग से दूर हो जाती हैं। आस्था के नाम पर भारी भीड़ उमड़ रही है, लेकिन अब सवाल उठने लगे हैं कि क्या यह सच्ची आस्था है या अंधविश्वास का

खतरनाक खेल?ग्रामीणों का कहना है कि दरबार चला रहे लोग लोगों की समस्याओं को सुनते हैं और उन्हें तुरंत समाधान का आश्वासन देते हैं। कोई बीमारी से परेशान है, तो कोई पारिवारिक कलह से जूझ रहा है—सभी आशा की किरण लेकर यहां आ रहे हैं। लेकिन जानकारों का मानना है कि यह सब आस्था के नाम पर ठगी का धंधा हो सकता है, जहां गरीब और अशिक्षित लोग ठगे जा रहे हैं।अब सारी निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं। क्या जिला प्रशासन और पुलिस इस मामले में सक्रिय होकर जांच करेगी या आस्था के नाम पर ये सिलसिला यूं ही चलता रहेगा?

अंधविश्वास के इस जाल में कोई अनहोनी न घटे।

समय से पहले जन्म के बारे में एआई-आधारित समाधान विकसित करने के लिए भारत की 12,000 महिलाओं पर सबसे बड़ा प्रेग्नेंसी कोहोर्ट अध्ययन: डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष मामलों के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि GARBH-INi पहल के तहत 12,000 महिलाओं पर भारत के सबसे बड़े प्रेग्नेंसी कोहोर्ट अध्ययन का उद्देश्य प्रीटर्म जन्मों (समय से पहले जन्म) की समस्या को हल करने के लिए स्वदेशी, एआई-आधारित समाधान विकसित करना है। समय से पहले जन्म, नवजात मृत्यु दर और वयस्क अवस्था में रुग्णता (बीमारी)

के प्रमुख कारणों में से एक है।

डॉ. जितेंद्र सिंह नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में "GARBH-INi (जन्म परिणामों पर उन्नत अनुसंधान के लिए अंतर्विषयक समूह) के निष्कर्षों और परिणामों का प्रसार" नामक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम जैव प्रौद्योगिकी विभाग की पहल है। इस कार्यक्रम में जैव प्रौद्योगिकी सचिव डॉ. राजेश एस. गोखले; नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल; THSTI के कार्यकारी निदेशक डॉ. गणेशन कार्तिकेयन, और अन्य प्रमुख वैज्ञानिक तथा शोधकर्ता उपस्थित हुए।

GARBH-INi पहल की विशेष रूप से जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों के वैश्विक बोझ में भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके कारण भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल समाधान विकसित करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम व्यापक और डेटा-आधारित दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है, जो व्यक्तिगत भविष्यवाणियों के लिए क्लिनिकल महामारी विज्ञान, मल्टी-ओमिक्स बायोमार्कर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को एकीकृत करता है।

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने तीन नई पहलों का अनावरण किया; सुलभ प्रौद्योगिकी और मजबूत डिजिटल सामग्री परितंत्र के लिए सरकार के प्रयासों पर जोर दिया

यूट्यूब के साथ साझेदारी में राष्ट्रीय एआई कौशल प्रशिक्षण पहल शुरू की गई; 15,000 रचनाकारों और मीडिया पेशेवरों को मुफ्त प्रशिक्षण मिलेगा

केंद्र ने मायवेव्स प्लेटफॉर्म लॉन्च किया; नागरिकों को वेव्स ओटीटी पर सामग्री बनाने और साझा करने के लिए सशक्त किया

सरकार ने अंतर्निहित सुविधाओं और उन्नत कार्यक्रम गाइड के साथ डीडी फ्री डिश चैनलों तक पहुंच को सरल बनाया, सेट-टॉप बॉक्स की अब जरूरत नहीं

(जीएनएस)।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज भारत के मीडिया, प्रसारण और डिजिटल क्षेत्र को मजबूत करने और सृजनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन प्रमुख पहलों का शुभारम्भ किया। ये तीन पहलें हैं- गूगल और यूट्यूब के साथ साझेदारी में भारतीय सृजनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के माध्यम से राष्ट्रीय एआई कौशल विकास पहल; वेव्स ओटीटी पर नागरिक रचनाकार मंच मायवेव्स; और डीडी फ्री डिश सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए टेलीविजन सेटों में उन्नत इलेक्ट्रॉनिक प्रोग्राम गाइड (ईपीजी) और अंतर्निर्मित सैटेलाइट ट्यूनर की शुरूआत शामिल हैं। इन पहलों को 'ऑरेंज इकोनॉमी' को बढ़ावा देने, सार्वजनिक प्रसारण को मजबूत करने और मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र में एआई कुशल कार्यबल का निर्माण करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम में मीडिया एवं प्रसारण उद्योग के प्रमुख प्रतिनिधियों, यूट्यूब इंडिया के प्रमुख और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

सभी के लिए किफायती तकनीक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबके लिए प्रौद्योगिकी को उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ऐसी पहलों से प्रौद्योगिकी अधिक किफायती और सुलभ हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अंतर्निर्मित सैटेलाइट ट्यूनर और उन्नत प्रोग्राम गाइड की मदद से नागरिक अब अतिरिक्त उपकरणों के बिना आसानी से सामग्री प्राप्त कर सकते हैं।

दूसरी पहल के बारे में बात करते हुए, श्री वैष्णव ने मायवेव्स को कंटेंट क्रिएटर्स के लिए एक शक्तिशाली मंच बताया। मायवेव्स कंटेंट क्रिएटर्स को कंटेंट बनाने, अपलोड करने और साझा करने में सक्षम बनाता है, जिससे देश के डिजिटल प्रणाली को मजबूती मिलती है। केंद्रीय बजट की घोषणाओं का जिक्र करते हुए, उन्होंने 'ऑरेंज इकोनॉमी' को बढ़ावा देने और सृजनात्मक क्षेत्र को समर्थन देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री श्री वैष्णव ने बताया कि यूट्यूब के सहयोग से कार्यान्वित की जा रही राष्ट्रीय एआई कौशल पहल के तहत लगभग 15,000 युवाओं को बिना किसी शुल्क के प्रशिक्षित किया जाएगा।

श्री वैष्णव ने 'क्रिएटर्स कॉर्नर' पहल के बारे में भी बात की और इसकी बढ़ती लोकप्रियता का जिक्र किया, जिसके तहत कुछ कंटेंट को पहले ही 30 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। उन्होंने देश भर के रचनाकारों से आग्रह किया कि वे दूरदर्शन और मायवेव्स जैसे प्लेटफॉर्म का सक्रिय रूप से उपयोग करके देश की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और क्षेत्रीय विविधता को प्रदर्शित करें।

रचनाकारों से इन प्लेटफार्मों का लाभ उठाने का आ

ान करते हुए, श्री वैष्णव ने उन्हें अपने क्षेत्रों की कहानियों को प्रस्तुत करने और एक जीवंत तथा समावेशी मीडिया परिदृश्य में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

रचनाकारों को सशक्त बनाना, पहुंच का विस्तार करना

श्री संजय जाजू ने राष्ट्रीय एआई कौशल विकास पहल, मायवेव्स प्लेटफॉर्म और टेलीविजन सेटों में अंतर्निर्मित सैटेलाइट ट्यूनर की शुरूआत के साथ-साथ उन्नत इलेक्ट्रॉनिक कार्यक्रम गाइड के बारे में बताते हुए कहा कि ये तीनों पहलें एक समान नीतिगत दिशा को दर्शाती हैं। इन पहलों का उद्देश्य सृजनात्मक लोगों के लिए एक मजबूत परितंत्र का निर्माण करना और गुणवत्तापूर्ण प्रसारण तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन को हासिल करने में क्रिटिकल मिनरल्स एक अहम भूमिका निभा रहे: केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी

खान मंत्रालय ने क्रिटिकल और रणनीतिक खनिजों की नीलामी के सातवें चरण की शुरूआत की

(जीएनएस)।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज क्रिटिकल और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी के सातवें चरण की शुरूआत की, जो भारत की खनिज सुरक्षा को मजबूत करने और खनन क्षेत्र के विकास को गति देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मंत्री ने स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत प्रौद्योगिकियों और विनिर्माण के क्षेत्र में भारत की प्रगति को बढ़ावा देने में क्रिटिकल खनिजों के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया।

सरकार की सुधार पहलों पर प्रकाश डालते हुए, श्री रेड्डी ने उल्लेख किया कि पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-संचालित ई-नीलामी तंत्र ने देश में खनिज संसाधनों के आवंटन में क्रांतिकारी बदलाव लाया है।

मंत्री ने खान और खनिज (विकास और विनियमन) ढांचे में हाल के सुधारों की ओर भी इशारा किया, जिन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाया है, देरी को कम किया है और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार किया है। उन्होंने बोलीदाताओं के लिए भागीदारी को सुविधाजनक बनाने और वित्तीय बाधाओं को कम करने के उद्देश्य से 'इंश्योरेंस श्योरिटी बॉन्ड'

की शुरूआत जैसे उपायों पर विशेष जोर दिया।

खान मंत्रालय के सचिव, श्री पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में खनिज नीलामियों की सफलता में सहकारी संघवाद के महत्व पर बल दिया।

नीलामी के लिए रखे गए ब्लॉकों का विवरण:

नीलामी के लिए रखे गए ब्लॉकों राज्यवार वितरण

राज्य, ब्लाकों की संख्या, खनिज

अरुणाचल प्रदेश 1 वैनेडियम एवं ग्रेफाइट

बिहार 4 ग्लौकोनाइट, वैनेडियम युक्त मैग्नेटाइट इल्मेनाइट

छत्तीसगढ़ 3 ग्लौकोनाइट सैंडस्टोन, ग्रेफाइट

गुजरात 1 ग्लौकोनाइट

कर्नाटक 1 आरईई एवं इट्रियम

मध्य प्रदेश 1 टाइटेनियम, वैनेडियम एवं एल्यूमिनस लैटराइट

ओडिशा 3 ग्रेफाइट

राजस्थान 2 आरईई; टंग्स्टन, लिथियम एवं सहयोगी खनिज

तेलंगाना 2 वैनेडियम, टाइटेनियम एवं एल्यूमिनस लैटराइट

उत्तराखंड 1 रॉक सल्फेट

प्रस्तावित ब्लॉकों में दुर्लभ मृदा तत्व (आरईई), टंगस्टन, लिथियम, ग्रेफाइट, वैनेडियम, टाइटेनियम, ग्लौकोनाइट और रॉक फॉस्फेट जैसे खनिजों का एक विविध समूह शामिल है। ये खनिज स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, उन्नत विनिर्माण, उर्वरक और रणनीतिक अनुप्रयोगों जैसे क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिससे भारत की खनिज सुरक्षा मजबूत होगी और देश के ऊर्जा संक्रमण को समर्थन मिलेगा।

हाल के नीतिगत सुधारों के माध्यम से नीलामी ढांचे को भी मजबूत किया गया है। खनिज (नीलामी) द्वितीय संशोधन नियम, 2025 ने परफार्मेंस सिक्योरिटी जमा करने, अग्रिम भुगतान और आशय पत्र जारी करने जैसी नीलामी के बाद की प्रक्रियाओं की समयसीमा को सुव्यवस्थित किया है। साथ ही, हितधारकों द्वारा समय पर अनुपालन सुनिश्चित करने के प्रावधान पेश किए गए हैं, जिससे नीलाम किए गए ब्लॉकों को तेजी से चालू करना संभव हो सकेगा। इसके अलावा, खनिज (नीलामी) संशोधन नियम, 2026 ने बैंक गारंटी के विकल्प के रूप में इंश्योरेंस श्योरिटी बॉन्ड की शुरूआत की है, जिससे बोलीदाताओं को अधिक लचीलापन मिलेगा।

निविदा दस्तावेजों की बिक्री सोमवार, 30 मार्च 2026 से शुरू हो गई है। निविदा दस्तावेज खरीदने की अंतिम तिथि सोमवार, 18 मई 2026 (शाम 17:00 बजे आईएसटी तक) है, और बोली जमा करने की अंतिम तिथि सोमवार, 25 मई 2026 (शाम 17:00 बजे आईएसटी तक) है।

नीलामी एक पारदर्शी दो-चरणीय असेंडिंग फॉरवर्ड ऑक्शन प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित की जाएगी, जिसमें पात्र बोलीदाता का चयन उनके द्वारा उद्धृत खनिज प्रेषण के मूल्य के उच्चतम प्रतिशत के आधार पर किया जाएगा। ब्लॉकों, नीलामी की शर्तों और समयसीमा के बारे में विस्तृत जानकारी एमएसटीसी नीलामी प्लेटफॉर्म: https://www.mstcecommerce.com/auctionfhome/mlcln/ पर प्राप्त की जा सकती है।

भारतीय रेलवे ने दिल्ली-हावड़ा उच्च घनत्व वाले गलियारे के प्रयागराज-कानपुर खंड के 190 किलोमीटर मार्ग पर कवच प्रणाली का उद्घाटन किया

इस जरुरी खंड के चालू होने से 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली ट्रेनों के संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ, जिससे भारतीय रेलवे के सबसे महत्वपूर्ण गलियारों में से एक पर सुरक्षा और परिचालन दक्षता में वृद्धि होगी

(जीएनएस)।

भारतीय रेलवे ने 22 मार्च 2026 को दिल्ली-हावड़ा उच्च घनत्व वाले कॉरिडोर के प्रयागराज- कानपुर (दोनों स्टेशनों को छोड़कर) खंड (190 किलोमीटर) पर कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली को सफलतापूर्वक चालू कर दिया। कवच प्रणाली को ट्रेन संख्या 14163 के जरिए लागू किया गया। महाप्रबंधक ने कवच प्रणाली के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए सूबेदारगंज से मनौरी स्टेशन तक ट्रेन संख्या 14163 में फुटप्लेट निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर पीएचओडी, डीआरएम/प्रयागराज, मुख्यालय के अधिकारी और मंडल अधिकारी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पहले चरण में, कवच प्रणाली आठ जोड़ी ट्रेनों में शुरू की जाएगी : 14113/14114, 14163/14164, 12307/12308, 12417/12418, 22437/22438, 15003/15004, 20433/20434 और 12403/12404)। अतिरिक्त ट्रेनों और वंदे भारत प्रणाली को इसमें धीरे-धीरे शामिल किया जाएगा।

इस प्रणाली के शुरू होने से

भारतीय रेलवे के सबसे अहम खंडों में से एक पर 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेनें चलाने, रेलवे सुरक्षा बढ़ाने और परिचालन दक्षता में सुधार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है।

इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले, व्यापक और कठोर परीक्षण सफलतापूर्वक किए गए। परीक्षण में 8, 16 और 22 एलएचबी कोच कॉन्फि गरेशन वाले डब्ल्यूएपी-7 लोकोमोटिव के साथ-साथ 20 कोच वाली वंदे भारत रेक का उपयोग किया गया, जिससे विभिन्न परिचालन स्थितियों में प्रणाली की विश्वसनीयता मापी गई। डब्ल्यूएपी-7 एक उच्च-प्रदर्शन वाला इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव है, जिसका उपयोग भारतीय रेलवे द्वारा यात्री ट्रेनों को खींचने के लिए किया जाता है, जिसमें राजधानी, शताब्दी और दुरंतो एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम सेवाएं शामिल हैं।

ट्रेन संख्या 15003/15004 (चौरी चौरा एक्सप्रेस) का उपयोग करते हुए यात्री परीक्षण भी किए गए, जिसने नियमित सेवा के दौरान लगातार और विश्वसनीय प्रदर्शन किया।

20,000 किलोमीटर से अधिक के यात्री परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं और सभी सिस्टम सत्यापन संतोषजनक पाए गए हैं।

कवच प्रणाली निम्नलिखित विशेषताओं के जरिए रेलवे सुरक्षा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती है:

स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी)

खतरे के सिग्नल को पार करने से रोकना (एसपीएडी)

मानवीय त्रुटि की स्थिति में स्वचालित ब्रेक लगाना

कवच, मेक इन इंडिया पहल के अंतर्गत स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जिसे भारतीय रेलवे में सुरक्षा बढ़ाने और ट्रेन संचालन को आधुनिक बनाने के लिए धीरे-धीरे लागू किया जा रहा है।

इससे पहले, व्यापक और विस्तृत परीक्षणों के बाद, कवच संस्करण 4.0 को दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा जैसे व्यस्त मार्गों सहित 1,452 किलोमीटर मार्गों पर सफलतापूर्वक चालू किया जा चुका है।

भारतीय रेलवे आधुनिक सुरक्षा प्रौद्योगिकियों को अपनाने और सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि यात्रियों के लिए सुरक्षित, अधिक विश्वसनीय और कुशल ट्रेन संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

अगले चरण में, मिशन रफ्तार के उद्देश्यों में से एक के रूप में, गाजियाबाद-टुंडला खंड में 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेनें चलाने के लिए कवच प्रणाली शुरू की जाएगी।